सांध्य दैनिक

4PM

अच्छी चीज को दोबारा करने में कोई नुकसान नहीं है।
-प्लेटो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 41 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 16 मार्च, 2026

गिल को 'पॉली उमरीगर क्रिकेटर ऑफ द... 7 | सदन में फिर बहस से ज्यादा... 3 | निष्पक्ष चुनाव का भरोसा दिलाए... 2

जंग का अखाड़ा बनता यूएई, भारतीय सहमे

» फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने ईरान से दुबई पर हमले बंद करने की अपील की

» ईरान के सर्वोच्च लीडर मोजतबा खामेनेई ने दुश्मनों को दे दी संपत्ति जब्त करने की धमकी

ईरान का दावा- लुकास के जरिये अरब देशों पर हमले कर रहा है अमेरिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। युद्ध ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच शुरू हुआ लेकिन इसकी चपेट में पूरा मिडिल ईस्ट आ चुका है। दुबई, अलएन, सउदी अरब, अबूधाबी, कतर, ओमान, बहरीन समेत तमाम देशों की बत्ती गुल हो चुकी है। एयरपोर्ट पर आवाजाही रूक गयी है और लोग घरों के भीतर रहने को मजबूर है। कई मोर्चा पर लड़ रहे ईरान को अब अमेरिकन कूटनीति से भी लड़ाई करनी पड़ रही है।

ईरान का दावा है कि अमेरिका ने ईरानी ड्रोन के क्लोन के तौर पर तैयार किये गये लुकास से अरब मुल्कों पर हमले कर रहा है और ईरान का नाम लगा रहा है। हालांकि ईरान अपनी उस बात से पीछे नहीं हटा है जिसमें उसने कहा था कि किसी भी अरब मुल्क की जमीन से यदि ईरान पर हमला होता है तो वह उसका जवाब देगा। दुबई में लाखों भारतीय रहते हैं और जंग की चपेट में आने के बाद वहां रह रहे लोगों को लेकर देश के भीतर चिंताएं बढ़ रही है। बीती रात दुबई एयर पोर्ट का एक बड़ा हिस्सा विस्फोट की जद में आ गया। दुबई एयरपोर्ट के पास ईरानी ड्रोन हमले से फ्यूल टैंक में भीषण आग लग गयी। रिपोर्टस के मुताबिक इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ है सुरक्षा के मद्देनजर दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी ने उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कद दी हैं जिससे एयरपोर्ट संचालन प्रभावित हुआ है।

हजारों ईरानी बेघर

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और लगातार बिगड़ते हालात का असर अब आम नागरिकों पर साफ दिखाई देने लगा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी इंटरनेशल आर्गनाइजेशन फार माइग्रकेशन के मुताबिक ईरान में जारी संकट के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। हालिया आंकड़ों के मुताबिक हजारों लोग बेघर हो चुके हैं और अब तक लगभग 32 हजार से ज्यादा लोग सीमा पार कर अफगानिस्तान पहुंच चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि कई शहरों में लगातार हो रहे हमलों और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान की वजह से हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। अस्पतालों, बिजली और पानी जैसी जरूरी सेवाओं से जुड़ी कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं जिसके कारण आम लोगों के सामने सुरक्षा और जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक हालात बिगड़ने के कारण लोग सुरक्षित जगहों की तलाश में पलायन कर रहे हैं। सीमा क्षेत्रों में राहत शिविरों में लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और मानवीय सहायता की जरूरत भी बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो विस्थापन का यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने सभी पक्षों से अपील की है कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखे जाएं, ताकि संकट में फंसे लोगों को राहत मिल सके।

मैक्रों ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इमैनुअल मैक्रों ने कूटनीतिक पहल करते हुए ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजिशयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान मक्रों ने क्षेत्र में तेजी से बिगड़ते हालात पर चिंता जताई और तनाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की। फ्रांस के राष्ट्रपति ने खास तौर पर लेबनान और ईराक सहित क्षेत्र के अन्य देशों में ईरान से जुड़े प्रत्यक्ष या प्रॉक्सी हमलों को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि मौजूदा स्थिति पूरे मध्य पूर्व को गंभीर अस्थिरता की ओर धकेल सकती है। मैक्रों ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि अगर हिंसा और सैन्य गतिविधियां इसी तरह जारी रहीं तो इसका असर केवल एक या दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरा क्षेत्र बड़े संकट में फंस सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि फ्रांस की यह पहल क्षेत्र में कूटनीतिक समाधान तलाशने की कोशिश का हिस्सा है। यूरोपीय देश लगातार यह प्रयास कर रहे हैं कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य टकराव को बातचीत और संवाद के जरिए कम किया जाए ताकि व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की संभावना को रोका जा सके।

मोजतबा खामनेई का देश को पहला संदेश

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामनेई ने टेलीग्राम अकाउंट पर किए गए एक पोस्ट के जरिये अपना पहला संदेश जारी किया है। संदेश ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक महिला प्रेजेंटर ने पढ़कर सुनाया। संदेश में कहा गया है कि ईरान पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है और सिर्फ उन ठिकानों को निशाना बनाएगा जहां से उस पर हमले किए जाएंगे। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक रिपब्लिक के तीसरे सुप्रीम लीडर खामेनेई के नाम से यह संदेश उनकी लोकेशन स्वास्थ्य स्थिति या

शारीरिक स्थिति के बारे में कोई जानकारी दिए बिना जारी किया गया था। संदेश में कहा गया है कि हम दुश्मन से मुआवजा लेंगे और अगर वह मना करता है तो हम उसकी जितनी प्रॉपर्टी ले लेंगे जितनी तय करेंगे। अगर यह संभव नहीं हुआ तो हम उसकी उतनी ही प्रॉपर्टी नष्ट कर देंगे। पिछले दिनों ईरान के नए सुप्रीम लीडर ने देश के नाम अपने पहले मैसेज में लगातार प्रतिरोध जारी रखने का आह्वान किया और होर्मुज स्ट्रेट को बंद रखे जाने का ऐलान किया। एक संदेश में मोजतबा खामेनेई ने संघर्ष में मारे गए लोगों का बदला लेने की भी कसम खाई और कहा कि तेहरान अपने शहीदों के खून का बदला लेने से पीछे नहीं हटेगा।

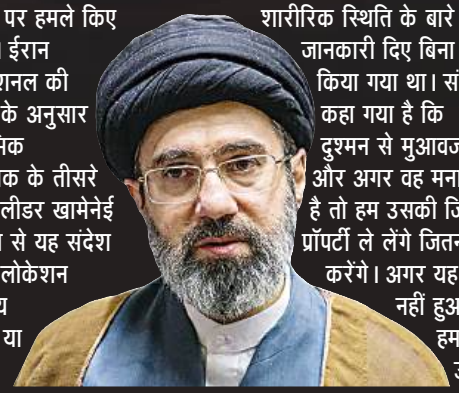

निष्पक्ष चुनाव का भरोसा दिलाए आयोग: अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- बंगाल में बीजेपी चाहती है रिस्पेकटेड हार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े किए हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, पुडुचेरी और केरल में होने वाले विधानसभा की तारीखों की घोषणा से पूर्व अखिलेश यादव ने कहा कि, चुनाव आयोग को कई बार सवालों का सामना करना पड़ा है, चाहे वह एसआईआर को लेकर भेदभाव हो या उपचुनाव में सरकार द्वारा वोटों की हेराफेरी, कई सवाल उठे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि, चुनाव आयोग जब आज कई राज्यों में चुनाव की घोषणा करने जा रहा है, तो चुनाव आयोग यह भरोसा दिलाए कि निष्पक्ष चुनाव होगा और कहीं किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा। यह संवैधानिक संस्था है, उनकी जिम्मेदारी बनती है कि उनकी विश्वसनीयता पर कोई सवाल न खड़े हो। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने कहा है कि, भारतीय जनता पार्टी बंगाल में कोई टक्कर नहीं दे रही है, वह रिस्पेक्टेड हार चाहती है। बंगाल के लोग जागरूक हो गए हैं, और वहां ममता बनर्जी एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं। भारतीय जनता पार्टी की बेईमानी बंगाल के लोग जानते हैं उत्तर प्रदेश के लोगों ने बहुत करीब से देखा है।

अखिलेश ने की कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग

वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांशीराम की जयंती पर कहा कि हम सब चाहते हैं कि मान्यवर कांशीराम जी को भारत रत्न मिले। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को जगाने में मान्यवर कांशीराम जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

अखिलेश यादव ने सलमान से पिता सलीम खान का पूछा हाल

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को मुंबई पहुंचे, जहां उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से मुलाक़ात की, सपा मुखिया देर शाम को सलमान खान के घर पहुंचे और उनके पिता सलीम खान के स्वास्थ्य की जानकारी ली। सलीम खान खराब तबीयत के चलते अस्पताली में भर्ती हैं। सपा मुखिया ने इस मुलाक़ात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कल मुंबई में आयोजित क्रिएटिव इकॉनोमी समिट में शामिल होने पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने अपनी बात भी रखी। समिट के बाद अखिलेश यादव फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। हालांकि इस दौरान उनकी मुलाकात सलमान खान के पिता सलीम खान से नहीं हुई है। सलमान खान से मिलने के बाद अखिलेश यादव ने पत्रकारों से भी बात की और बताया कि वो अभिनेता के पिता की तबीयत की जानकारी लेने आए थे।

लुटेरी सरकार है बीजेपी: शिवपाल

उत्तर प्रदेश के इटावा में मीडिया को संबोधित करते हुए शिवपाल यादव ने मौजूदा सरकार को लुटेरी सरकार करार दिया और 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की हुंकार भरी। अपने चिर-परिचित अंदाज में बीजेपी पर निशाना साधते हुए सपा नेता ने कहा, भगवान राम के राज में किसी के भी साथ कोई भेदभाव नहीं होता था, लेकिन आज बीजेपी के शासनकाल में बड़े पैमाने पर भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि इस सरकार में बहुजन समाज और पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। उनका कहना था कि केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष के साथ भी सत्ता पक्ष द्वारा जमकर भेदभाव किया जा रहा है। शिवपाल यादव ने पार्टी और पीडीए के कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर मजबूती से काम करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि यह पीडीए से जुड़े लोगों की जिम्मेदारी है कि वे बहुजन समाज के उन तमाम परिवारों के घर-घर जाएं, जिनका इस सरकार में अपमान हुआ है या जिन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया है. उन्होंने आह्वान किया कि कार्यकर्ताओं को ऐसे लोगों से सीधा संपर्क कर उन्हें पूरा सम्मान देना चाहिए और अपने साथ जोड़ना चाहिए।

अखिलेश यादव को राज्य का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प

बीजेपी के पिछले 10 वर्षों के कामकाज पर सवाल उठाते हुए शिवपाल ने कहा कि यहाँ से बीजेपी को हटाइए। देखिए पिछले 10 सालों में बीजेपी ने इस जगह की क्या दुर्दशा कर दी है। उन्होंने अपने संबोधन का मुख्य लक्ष्य स्पष्ट करते हुए कहा, मैंने सबसे ज्यादा इसी बात पर जोर दिया है कि साल 2027 के विधानसभा चुनाव में इस बीजेपी की लुटेरी सरकार को सत्ता से हटाना है। हमें उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार लानी है और अखिलेश यादव को राज्य का मुख्यमंत्री बनाना है।

नशा कारोबार को संरक्षण दे रही भाजपा सरकार: सौरभ

» आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला बोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में नशे के कारोबार और बढ़ते अपराध को लेकर आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला बोला है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि नशा कारोबारियों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है। इसके लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं।

सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता में दावा किया कि भारत नगर थाने के एडिशनल एसएचओ का कथित वीडियो सामने आया है। उसमें वह कह रहे हैं कि जब पुलिस नशा तस्करों और अपराधियों को पकड़ती है तो ऊपर से आदेश आने के बाद उन्हें छोड़ना पड़ता है। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि यह आदेश सीएमओ से आता है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले वजीरपुर की जेजे कॉलोनी में बरात को रास्ता देने को लेकर हुए विवाद में नशे के आदी लोगों ने हमला कर दिया था। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि वजीरपुर जैसे कई इलाकों में खुलेआम नशा बेचा जा रहा है। कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार, करोल बाग विधायक विशेष रवि ने उपराज्यपाल से मामले का संज्ञान लेने का आग्रह किया।

बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली असली पार्टी: मायावती

» सपा मुखिया पर बरसीं बसपा प्रमुख, बोलीं- सपा का पीडीए बस छलावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विरोधी दलों की कथनी और करनी में भारी अंतर होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को 'छलावा' बताते हुए आरोप लगाया कि सपा और अन्य विरोधी पार्टियां इन वर्गों का वोट लेकर सरकार तो बनाती हैं लेकिन बाद में इन तबकों को 'तिरस्कृत' कर देती हैं।

मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर रविवार सुबह लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय शिविर कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ लोगों के साथ उनके चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' का हित, कल्याण व उत्थान करने वाली 'असली पार्टी' है जबकि सपा व अन्य विरोधी दलों के कथनी व करनी में भारी अंतर होता है।

सपा को महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है

उन्होंने कहा कि सपा को दलितों पिछड़ों, मुस्लिम समाज के लोगों और उनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है लेकिन सरकार बन जाने के बाद वह उन्हें अन्य पार्टियों की ही तरह तिरस्कृत कर देती है। मायावती ने बहुजन समाज के लोगों को सपा, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि ये पार्टियां बहुजन समाज के लिए काम की कम और नाम की ज्यादा हैं। बसपा प्रमुख ने बहुजन समाज से यह भी अपील की कि वह सांसद और विधायक बनाने का लालच देकर बहुजनों के वोट की ताकत को कमजोर करने वाली पार्टियों से दूर रहें। साथ ही, अपने निजी स्वार्थ के लिए पार्टी से 'दगा' करने वालों से भी उचित दूरी बनाए रखें।

भाजपा सरकार कांशीराम को 'भारत रत्न' से सम्मानित करें

उन्होंने केंद्र की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार से आग्रह किया कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम को 'भारत रत्न' से सम्मानित करने में और विलंब ना करे क्योंकि देश में संविधान की मंशा के अनुसार समता मूलक समाज तैयार करने में कांशीराम का ऐतिहासिक योगदान रहा है। मायावती ने कांशीराम के नाम पर बनाए गए 'मान्यवर श्री कांशीराम उर्दू, अरबी, फारसी विश्वविद्यालय' का नाम बदले जाने की भी आलोचना की और कहा कि ऐसी संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक व द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाली पार्टियों व इनकी सरकारों से 'बहुजन समाज' का वास्तविक हित व कल्याण की आशा करना 'रेगिस्तान में पानी तलाशने' जैसा असंभव है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने शासनकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि बसपा 'बातें कम और काम अधिक' की नीति में विश्वास करती है जबकि दूसरी पार्टियां केवल हवाहवाई बातों, लुभावनी घोषणाओं व दावों के साथ-साथ 'अच्छे दिन' के हसीन सपनों के माध्यम से जनता को बरगलाना चाहती हैं।

कांशीराम को याद किया

पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 12 मंडलों के बसपा कार्यकर्ताओं ने राजधानी लखनऊ में 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' पर पहुंचकर कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। बयान के अनुसार इसके अलावा मायावती के निर्देश पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के पार्टी के लोगों ने गौतम बुद्ध नगर में स्थापित 'राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल' में कांशीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण व उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बयान के मुताबिक बसपा की राजस्थान इकाई द्वारा भरतपुर जिले में आयोजित जोन स्तरीय कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मायावती ने 'बहुजन समाज' के लोगों से आह्वान किया कि वे बसपा से जु?कर सच्चे, ईमानदार व 'मिशनरी आंबेडकरवादी' बनें और सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर द्वारा संविधान में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए दिये गये अधिकारों को जमीन पर लागू करें। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा के पीडीए को विशुद्ध 'छलावा' करार देते हुए कहा कि वास्तव में दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में भी खासकर सपा का पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

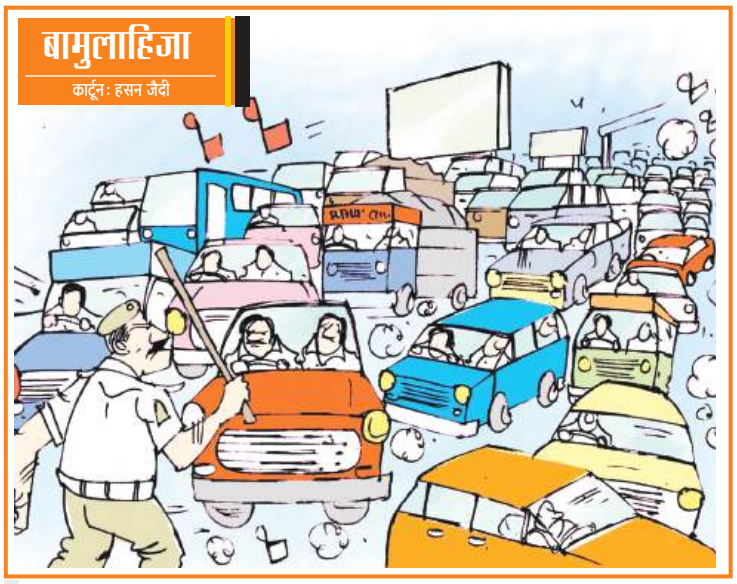

लोकतंत्र में बटन दबाकर चोट करे बहुजन समाज: चंद्रशेखर

» आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष बोले-अब राजपाठ हासिल करना है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। बाराबंकी में आजाद समाज पार्टी के कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज के लोगों को अब राजपाठ हासिल करना है। पहले युद्ध तलवारों से होते थे, लेकिन अब लोकतंत्र में बटन दबाकर चोट की जाती है।

शहर के निकट हैदरगढ़ रोड स्थित मजीठा में कांशीराम जयंती और पार्टी के स्थापना दिवस पर जनसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान चंद्रशेखर आजाद रावण ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। कहा कि प्रदेश सरकार लगातार कानून का राज होने का दावा करती है, लेकिन प्रदेश में खुलेआम हत्याएं हो रही हैं। कई जिलों में हुई घटनाओं का उल्लेख किया। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अंबेडकर ने जो सपना देखा था, वह उनके जाने के बाद अधूरा रह गया है। उस सपने को पूरा करने के लिए कांशीराम ने लंबा संघर्ष किया। अब उसी मिशन को आजाद समाज पार्टी आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह प्रचार किया जाता है कि वह किसी धर्म के खिलाफ अपशब्द कहते हैं। हमारा पुराना इतिहास देखा जा सकता है। हमने कभी किसी धर्म के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग नहीं किया। यह सब केवल बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को अब जागरूक होकर अपने अधिकारों के लिए आगे आना होगा।

सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार फैला

उन्होंने कहा कि सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। आम लोगों को न्याय पाने में कठिनाई हो रही है। दावा किया कि जब वह बाराबंकी आ रहे थे तो रास्ते में उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके गए। यह पत्थर उन पर नहीं बल्कि प्रदेश सरकार के उन दावों पर फेंके गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था मजबूत होने की बात कही जाती है।

सदन में फिर बहस से ज्यादा हंगामे का शोर

एलपीजी संकट को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश

- बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला सप्ताह खत्म
- लोस और रास में मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाले नोटिस सौंपे गए
- विपक्ष के निशाने पर रही मोदी सरकार
- लोक अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास पर चर्चा भी आम रही
- पश्चिम एशिया व एलपीजी संकट पर भी तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला सप्ताह खत्म हो गया। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अब 16 मार्च को फिर से आरंभ हुई । तब तक के लिए उसे स्थगित कर दिया गया है। यह सत्र तो हंगामें की ही भेंट चढ़ा। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास पर चर्चा के साथ सांसदों ने लोकसभा और राज्यसभा में मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाले नोटिस सौंपे और विपक्ष ने एलपीजी संकट को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की।

विपक्षी पार्टियों ने केंद्र से देश के कई हिस्सों में एलपीजी सिलेंडर की कथित कमी को दूर करने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की, वहीं सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने इस मुद्दे पर विपक्ष पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। राज्यसभा में 18 निजी विधेयक पेश हुए जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के योगदान संबंधी प्रावधान वाला विधेयक भी शामिल है। कांग्रेस ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द किया जाए। लोकसभा ने वैश्विक आर्थिक झटकों से निपटने के लिए एक लाख करोड़ रुपये के आर्थिक स्थिरीकरण कोष की घोषणा के बीच अनुदानों की अनुपूरक मांगों को मंजूरी दी। संसद की कार्यवाही स्थगित होने से पहले, विपक्ष ने एलपीजी की कमी और फसल बीमा जैसे मुद्दों पर सरकार पर निशाना साधा और सांसदों का निलंबन रद्द करने की मांग की।

लोकसभा की कार्यवाही में ये हुआ

लोकसभा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच को पारित किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये का आर्थिक स्थिरीकरण कोष (इकोनॉमिक स्टेबिलाइज़ेशन फंड) सरकारी योजनाओं को पटरी से उतारे बिना मौजूदा वैश्विक संकट जैसी स्थिति में देश को आर्थिक झटकों को सहन करने में मदद करेगा। लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह कोष पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट जैसी आकस्मिक वैश्विक चुनौतियों से लगने वाले झटकों को झेलने के लिए एक 'बफर' के तौर पर काम करेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व सांसद को चंद्रशेखर 'रावण' में मजाक

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कुछ हल्के-फुल्के अंदाज में उत्तर प्रदेश के नगीना निर्वाचन क्षेत्र से आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद को अपना नाम चंद्रशेखर 'रावण' की जगह चंद्रशेखर 'विदुर' रखने की सलाह दी। मंत्री ने कहा कि 'महाभारत' में एक बहुत सम्मानित व्यक्तित्व हैं, जिनका नाम विदुर है और जिनकी विद्वता का सभी लोग सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हाल में पता चला है कि विदुर ने अपने जीवन का आखिरी समय बिजनौर में बिताया था। जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा है कि भारत के महापंजीयक कार्यालय ने गंगोता समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने संबंधी बिहार सरकार के प्रस्ताव का औचित्य बताने को कहा है। उइके ने बताया कि बिहार सरकार ने चार नवंबर 2019 को एक नृजातीय रिपोर्ट के साथ प्रस्ताव भेजा था।

किसानों के मुद्दे पर बोले कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला

राज्यसभा में कांग्रेस के राजीव शुक्ला ने कृषि बीमा योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को संकट के समय समुचित राहत नहीं मिलने का दावा करते हुए कहा कि किसानों के दावों का समय पर और उचित भुगतान करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए शुक्ला ने कहा कि कृषि बीमा योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बड़े जोश से योजना शुरू की गई थी और कहा गया था कि किसानों को कम प्रीमियम पर संकट में बड़ी मदद मिलेगी।

राज्यसभा की कार्यवाही- डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा- सरकार अच्छे स्लोगन बनाने में सभी देशों को पीछे छोड़ चुकी

तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सरकार अच्छे स्लोगन बनाने में सभी देशों को पीछे छोड़ चुकी है, लेकिन हकीकत बिल्कुल अलग है क्योंकि यह ठोस परिणाम नहीं दे सकी है। ओ'ब्रायन ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि बड़े-बड़े स्लोगन बनाने के बावजूद भारत बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। निजी अस्पतालों में महंगे इलाज और निजी एवं चिकित्सा बीमा कंपनियों द्वारा मरीजों के दावे मनमाने तरीके से खारिज किए जाने पर चिंता जाहिर करते हुए शुक्रवार को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने मांग की कि इस पर अंकुश लगाना बेहद जरूरी है। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए स्वाति ने कहा कि आज निजी अस्पतालों और निजी बीमा कंपनियों के बीच गठजोड़ बन गया है जो आम इंसान की कमर तोड़ रहा है।

राज्यसभा चुनाव की बिसात पर बनेगी बात

16 मार्च, 2025 को होने वाले द्विवार्षिक राज्यसभा चुनावों में दस राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से 26 सीटें पहले ही निर्विरोध उम्मीदवारों द्वारा भरी जा चुकी हैं, जिनमें 85 वर्षीय एनसीपी संस्थापक शरद पवार, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई-ए) के प्रमुख रामदास अठावले और एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता एम थंबीदुरई शामिल हैं। शेष 11 सीटों जिसमें बिहार में पांच, ओडिशा में चार और हरियाणा में दो के लिए मतदान होगा

और परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे। वर्तमान में, विपक्षी गठबंधन गठबंधन (इंडिया) के पास 245 सीटों वाले उच्च सदन में 80 सीटें हैं, जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास 136 सदस्यों का आरामदायक बहुमत है और भाजपा के पास स्वयं 102 सांसद हैं। ओडिशा में आगामी राज्यसभा चुनाव में क्रॉस-वोटिंग की आशंकाओं के बीच, कांग्रेस पार्टी ने अपने विधायकों को बेंगलुरु स्थानांतरित कर दिया है, जिसे व्यापक रूप से अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए रिसॉर्ट राजनीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

ओड़िशा से लेकर बिहार तक रार

ओड़िशा विधानसभा के 147 सदस्यों में से भाजपा के पास वर्तमान में 79 विधायकों का समर्थन है, जबकि बीजू जनता दल (बीजेडी) के पास 50 सीटें और कांग्रेस के पास 14 विधायक हैं। बीजेडी ने शांतनु मिश्रा को अपना आधिकारिक उम्मीदवार नामित किया है और कांग्रेस द्वारा समर्थित चौथे राज्यसभा सीट के लिए दत्तेश्वर होता को भी सामान्य उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा है। दूसरी ओर, भाजपा ने दो उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है और निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय का भी समर्थन किया है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, चौथी सीट पर मुकाबला क्रॉस-वोटिंग पर निर्भर हो सकता है। दत्तेश्वर होता की जीत कांग्रेस विधायकों के समर्थन पर निर्भर करेगी, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को जीत हासिल करने के लिए विपक्षी दलों के कम से कम आठ विधायकों के समर्थन की आवश्यकता होगी। हरियाणा में 16 मार्च को राज्यसभा की दो सीटों के लिए त्रिकोणीय मुकाबला होगा, जिसमें निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नंदाल ने भी मैदान में बने रहने का फैसला किया है। नंदाल, जिन्होंने कभी भाजपा के टिकट पर भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, ने तीन निर्दलीय विधायकों - राजेश जून, सावित्री जिंदल और देवेंद्र कादियान के समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। सत्तारूढ़ भाजपा ने 48 विधायकों के मजबूत बहुमत का लाभ उठाते हुए पूर्व लोकसभा सांसद संजय भाटिया को मैदान में उतारा है, जबकि विपक्षी कांग्रेस ने प्रमुख दलित नेता कर्मवीर बौद्ध का समर्थन किया है। कांग्रेस और विपक्ष के नेता हुड्डा के लिए यह चुनाव अस्तित्व और अनुशासन की परीक्षा है। तकनीकी रूप से जीत के लिए पर्याप्त 37 सीटें होने के बावजूद, पार्टी पिछले एक दशक से क्रॉस-वोटिंग और तकनीकी गड़बड़ियों से जूझ रही है। बिहार में 16 मार्च को होने वाले पांच राज्यसभा सीटों के लिए राजनीतिक मुकाबला शुरू हो चुका है। 202 विधायकों की संयुक्त शक्ति वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) चार सीटें अपने दम पर जीत सकता है। हालांकि, विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के चुनाव लड़ने के फैसले से सत्तारूढ़ गठबंधन के सभी पांच सीटें जीतने के प्रयास को चुनौती मिल गई है। पांचवीं सीट हासिल करने के लिए एनडीए को विपक्षी खेमे के तीन विधायकों के समर्थन की आवश्यकता होगी। इस मामूली अंतर से ही अंतिम सीट के लिए मुकाबला तय होगा। महागठबंधन की संयुक्त शक्ति, भले ही वह एक इकाई के रूप में मतदान करे, कोटे से कम ही रहेगी। एनडीए को पांचवीं सीट जीतने से रोकने के लिए विपक्ष को न केवल अपनी पार्टियों के बीच बल्कि छह गुटनिरपेक्ष विधायकों के साथ भी त्रुटिहीन समन्वय और वरीयता हस्तांतरण को पूरी तरह से लागू करना होगा। किसी भी प्रकार की अनुपस्थिति, अमान्य वोट या वरीयता क्रम में त्रुटि इस प्रयास को तुरंत कमजोर कर देगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बांग्लादेश की नई सरकार से भारत के अच्छे संबंध के संकेत

बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद भारत के साथ अच्छे संबंध बनने के संके त दिखाई दे रहे है। दोनों देशों के बीच जनता भी चाहती है कि बढ़िया रिश्ते रहें। दोनों देश की विरासत लगभग मिलती जुलती है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस के समय कई बार यह देखने को मिला कि वह भारत के विरोधियों और कट्टरपंथी ताकतों के करीब नजर आते थे। उस दौर में बांग्लादेश की विदेश नीति को लेकर नई चिंताएं भी सामने आई थीं और कई नेता तथा अधिकारी पाकिस्तान का दौरा करते दिखाई देते थे। लेकिन अब हालात बदलते दिख रहे हैं। नई सरकार के प्रधानमंत्री तारिक रहमान यह अच्छी तरह समझते हैं कि भारत के साथ मजबूत संबंध बांग्लादेश की स्थिरता, सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। इसी कारण उन्होंने विदेश नीति में संतुलन लाते हुए भारत के साथ संबंध सुधारने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत और बांग्लादेश के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश करते दिख रहे हैं।

नई सरकार बनने के बाद दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी के आदान प्रदान और ऊर्जा क्षेत्र में सहायता को लेकर तेजी से गतिविधियां बढ़ी हैं। मार्च की शुरुआत में बांग्लादेश की प्रमुख रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख का भारत दौरा इसी बदलते कूटनीतिक माहौल का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। प्रधानमंत्री बनने के कुछ ही दिन बाद उन्होंने कैसर रशीद को पदोन्नति देकर इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया था। दिल्ली में अपने दौरे के दौरान मेजर जनरल चौधरी ने भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी के प्रमुख पराग जैन और सैन्य खुफिया महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल आर एस रमन से मुलाकात की। दो मार्च को एक निजी रात्रि भोजन के दौरान दोनों देशों के खुफिया प्रमुखों के बीच विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरिम सरकार के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति कुछ कमजोर हुई थी और इसी कारण सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना दोनों देशों के हित में है। बांग्लादेश में पिछले वर्ष छात्र आंदोलन के बाद राजनीतिक अस्थिरता देखी गई थी। इसी दौर में युवा नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या ने देश में तनाव और विरोध प्रदर्शनों को बढ़ा दिया था। दिसंबर में ढाका में उन पर हमला हुआ था और बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी। हाल ही में पश्चिम बंगाल के बोंगांव क्षेत्र से इस हत्या मामले में दो बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। इसके बाद बांग्लादेश सरकार ने इन आरोपियों से दूतावास संपर्क की मांग भी की है। नई सरकार का भारत के साथ सहयोग बढ़ाना क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण संकेत है।

अंतरिम सरकार के समय कई बार बांग्लादेश के नेता और अधिकारी पाकिस्तान का दौरा किया करते थे, जिससे क्षेत्रीय संतुलन को लेकर चिंताएं भी सामने आई थीं। लेकिन नई सरकार को यह समझ है कि भारत के साथ घनिष्ठ संबंध आर्थिक विकास, सुरक्षा और स्थिरता के लिए अत्यंत जरूरी हैं। यही कारण है कि अब बांग्लादेश के अधिकारी भारत के साथ संवाद और सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दलगत राजनीति से मुक्त हो राष्ट्रपति पद

विश्वनाथ सचदेव

देश का राष्ट्रपति देश का प्रथम नागरिक ही नहीं होता, देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति होता है। राष्ट्रपति को कैसे संबोधित किया जाये से लेकर राष्ट्रपति के साथ कैसा व्यवहार किया जाये जैसी बातें एक प्रोटोकॉल के अंतर्गत आती हैं, और अपेक्षा की जाती है कि कोई इसका उल्लंघन नहीं करेगा। हमारे राष्ट्रपति का सम्मान किसी व्यक्ति या पद का सम्मान मात्र नहीं है, वस्तुत: यह देश का सम्मान है, उस संविधान का सम्मान है, जिसके आधार पर हमारी समूची जनतांत्रिक व्यवस्था चलती है। इस पद की मर्यादा को देखते हुए कुछ ऐसी ही अपेक्षा उस व्यक्ति से भी की जाती है, जिसे देश इस पद पर बिठाता है। दलगत राजनीति से कहीं ऊपर होता है इस पद पर बैठा व्यक्ति-पूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है और पूरे राष्ट्र को संरक्षण भी देता है।

आमतौर पर यह माना जाता है कि हमारा राष्ट्रपति विवादों से परे होगा। पिछले सात दशक से भी अधिक समय का इतिहास इस बात का साक्षी है कि इस पद पर बैठे व्यक्तियों ने कुल मिलाकर पद की गरिमा की रक्षा ही की है। ऐसे में जब किसी राष्ट्रपति के संदर्भ में विवादास्पद स्थितियां बनती हैं तो खेद भी होता है और आशंका भी होती है कि देश का यह सर्वोच्च पद विवादों के चलते अपनी गरिमा न खो दे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की हाल की बंगाल-यात्रा को लेकर जिस तरह का वातावरण बन रहा है, वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। हम इस घटना को लेकर कोई टिप्पणी करें उससे पहले इस बात को रेखांकित किया जाना जरूरी है कि एक आदिवासी महिला का इस पद पर पहुंचना हम सबके लिए गौरव की बात है। वे पहली महिला नहीं हैं जो इस पद के लिए चुनी गयी हैं, पर एक आदिवासी महिला यदि अपनी योग्यता-क्षमता से देश की राष्ट्रपति बनती है तो महिलाओं अथवा आदिवासियों के एक ऊंचे मुकाम पर पहुंचने का ही उदाहरण नहीं है, यह हमारे जनतंत्र की परिपक्वता का भी एक गौरवशाली क्षण है। देश को इस पर गर्व होना चाहिए। हमें है इस बात का गर्व। इसलिए राष्ट्रपति, पद के अपमान को लेकर देश इतना संवेदनशील भी है।

इस पद की गरिमा को कम करने की कोई भी घटना अथवा कोई भी कोशिश देश के जागरूक नागरिक को स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। अब बंगाल वाली घटना की बात। संथाल आदिवासियों की एक संस्था द्वारा

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति बंगाल गयी थीं। राष्ट्रपति जब भी किसी राज्य में जाते हैं, भले ही वह यात्रा सामाजिक हो अथवा सरकारी, तो उनके स्वागत का एक निश्चित तरीका होता है, जिसका पालन राज्य सरकार को करना होता है। इस प्रोटोकॉल में मुख्य रूप से यह बात शामिल है कि राज्य का राज्यपाल, मुख्यमंत्री अथवा कोई वरिष्ठ मंत्री स्वागत करने पहुंचता है। यह संभव है कभी किन्हीं कारणों से इस व्यवस्था का पूरा पालन न हो पाता हो, पर ऐसा होने का कोई उचित कारण होना-दिखना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू की इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वागत के लिए नहीं पहुंची थीं। उन्होंने 'पूर्व निर्धारित अन्य कार्यक्रम' और राष्ट्रपति की यात्रा की पूर्व सूचना न मिलने का हवाला देकर अपनी अनुपस्थिति का औचित्य ठहराया है। उनकी बात सही भी हो सकती है, पर ऐसे में वे अपने मंत्रिमंडल के किसी वरिष्ठ सहयोगी को वहां भेज कर अपना कर्तव्य निभा सकती थीं। मुख्यमंत्री की यह चूक हल्के से नहीं ली जानी चाहिए। वे चाहतीं तो चूक को स्वीकार करके विवाद की तल्खी कम कर सकती थीं। पता नहीं क्यों उन्होंने ऐसा करना जरूरी नहीं समझा। राष्ट्रपति के सम्मान को लेकर किसी भी प्रकार की चूक को स्वीकार करना उचित नहीं है। देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को समुचित सम्मान मिलना ही चाहिए। बहरहाल, इस विवाद का एक और पहलू भी है, जो राष्ट्र की चिंता का कारण होना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता ने अपनी चूक का बचाव करने की कोशिश करते हुए राष्ट्रपति की इस यात्रा को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताया है और यह भी कहा है कि राष्ट्रपति केंद्र में सत्तारूढ़ दल के हितों की दृष्टि से आदिवासियों के इस कार्यक्रम में पहुंची थीं।

ममता को यह शिकायत भी है कि राष्ट्रपति बार-बार बंगाल क्यों आती हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रपति से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह किसी राजनीतिक दल के हित को दृष्टि में रखकर कुछ काम करेंगी। पर इस आशय के आरोप भी हल्के में नहीं लगने चाहिए। राष्ट्रपति का सम्मान सर्वोपरि है, इसलिए राष्ट्रपति से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वह भी इस सम्मान की रक्षा के प्रति जागरूक रहेंगी। जिस तरह न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए, उसी तरह राष्ट्रपति को भी निष्पक्ष होकर काम करते हुए दिखना चाहिए।

जेन-जी की कुर्बानी और बालेन की बल्ले-बल्ले

अरुण नैथानी

नेपाल के हालिया आम चुनाव में कई इतिहास रचे गए। लोकतांत्रिक नेपाल में नया संविधान लागू होने के बाद पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है, जिसका चेहरा बने हैं काठमांडू के मेयर बालेन शाह। अन्य बातें समान रही तो उनका प्रधानमंत्री बनना निश्चित माना जा रहा है। मेयर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन नेपाल के इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। भ्रष्ट और जोड़तोड़ की राजनीति से आजिज नेपाली युवाओं ने हिंसक प्रतिरोध करके बड़ी कुर्बानियां दी थीं। यही वजह है कि जब चुनाव हुए तो पहली बार सबसे ज्यादा युवा सांसद बने हैं, जिसके चलते एक पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड को छोड़कर जनता ने सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को सदन से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। यह बात तो तय है कि युवा आकांक्षाओं के लिए हुए उग्र आंदोलन ने नेपाल की राजनीति की दशा-दिशा बदल दी है।

बहरहाल, नेपाल में बदलाव की आंधी के बीच राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने कई मिथ तोड़े हैं। पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल करके भरोसा दिलाया है कि सरकार स्थायी रह सकेगी। जनता ने पार्टी पर पूरा भरोसा जताते हुए नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सीधे व समानुपाती पद्धति से सांसदों का बहुमत प्रदान किया है। हालांकि, बालेन शाह के सामने जनाकांक्षाओं का पहाड़ खड़ा है। खासकर युवाओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं। निस्संदेह, तीन साल पहले बनी बालेन की पार्टी की कामयाबी तिलस्मी है। लेकिन यह कह पाना कठिन है कि काठमांडू के मेयर का पद संभालने के बाद वे प्रधानमंत्री पद उसी तरह सहजता से चला पाएंगे। निर्विवाद रूप से नेपाल की मुख्यधारा की राजनीति में बालेन बिल्कुल नये हैं। लेकिन उनकी युवा तुर्क वाली छवि नई पीढ़ी को लुभाती है। यही वजह है कि उनके मधेसी होना भी बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बना। यदि वे प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे इस पद पर पहुंचने वाले पहले मधेसी होंगे। भारत के नजरिये से सवाल यह महत्वपूर्ण है कि उनकी नीति भारत के प्रति कैसी रहती है।

सवाल यह भी कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे परंपरा के अनुसार भारत आते हैं या चीन जाते हैं। माना जाता है कि बालेन शाह किसी विचारधारा के साथ राजनीति में नहीं आए हैं, लेकिन उनकी कार्यशैली व व्यवहार युवाओं को रिझाता है। फिलहाल कहना कठिन है कि वे भारत के और करीब आते हैं या चीन को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, वे अतीत में चीन के करीब माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के भारत के क्षेत्रों को नेपाल में दर्शाने वाले नक्शे का समर्थन करते नजर आए थे। वैसे सार्वजनिक व राजनीतिक जीवन में बालेन शाह को लेकर व्यापक जानकारी उपलब्ध नहीं है, जिसकी वजह यह भी कि वे किसी आंदोलन की उपज नहीं हैं। उन्हें राजनीतिक बहसों में भी कम ही देखा गया है। हां, एक रैपर के रूप में उनके प्रशंसकों की लंबी फेहरिस्त रही है। तभी वे युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे हैं। कहा जा रहा है कि आरएसपी में प्रगतिशील व बौद्धिक वर्ग का अनुभव राजकाज चलाने में उनके लिए मददगार हो सकता है। जैसे वे नेपाल की राजनीति के दिग्गज व पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को उनके गढ़ में हराने में कामयाब हो गए।

बहरहाल, नेपाल में बनने वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सरकार के सामने युवा आकांक्षाओं का बड़ा पहाड़ होगा, जिनको पूरा कर पाना किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा। खासकर लंबे समय से बेरोजगारी का दंश झेल रहे देश में पलायन का बड़ा संकट नयी सरकार के सामने होगा। यह अहसास बालेन शाह को भी होगा कि एक मेयर की तुलना में प्रधानमंत्री का पद संभालना कांटों का ताज पहनने जैसा होगा। भारत सरकार की पहली प्राथमिकता यही रहेगी कि नई सरकार से कैसे बेहतर संबंध बनाए जाएं। माना जा रहा है कि पार्टी का भारत के प्रति नजरिया सकारात्मक नजर आ रहा है। बेहतर होगा भारत की नीति युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप रहे। पिछले वर्षों में अग्निवीर योजना को लेकर नेपाल में नकारात्मक प्रतिसाद देखने में आया था। वैसे तो दुनिया के एकमात्र हिंदू बहुल देश से सदियों से रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है।

खासकर राजशाही के दौरान ये संबंध बेहद मधुर रहे हैं। कालांतर वामपंथी रुझान वाले दलों के चलते 'चीन नजदीक दिल्ली दूर' के नारे लगते रहे हैं। वैसे, नई पार्टी की सरकार बनने पर पार्टी की रीति-नीतियों को समझने में कुछ वक्त जरूर लग सकता है। वैसे भौगोलिक रूप से एक लैंडलॉक्ड देश होने के कारण नेपाल की जरूरतों को पूरा करने में भारत की भूमिका को कोई भी सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती है। नेपाल के लोगों की दैनिक जरूरतें भारत के जरिये ही पूरी होती हैं। इस निर्भरता की कोई भी सरकार अनदेखी नहीं कर सकती है। खासकर युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नेपाल में चीन के प्रभाव को कम करने में भारत इस नये अवसर का बेहतर उपयोग कर सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में यदि किसी तरह की महत्वाकांक्षाओं का टकराव न हुआ तो पूर्ण बहुमत वाली सरकार में एक संभावित प्रधानमंत्री के रूप में बालेन पूरी पारी खेल सकते हैं। बशर्ते, आर्थिक संकट व विकास की चुनौती झेल रहे देश में वे युवाओं की आकांक्षाओं में उतरें।

चैत्र नवरात्री में घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

द्रिक पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 19 मार्च 2026, गुरुवार को सुबह 6:52 बजे से आरंभ हो रही है, जो 20 मार्च को सुबह 4:51 बजे समाप्त होगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि का आरंभ 19 मार्च गुरुवार से हो रहा है। इस साल चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए दो शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। इन मुहूर्तों में घटस्थापना करना लाभकारी माना जाता है। पहला मुहूर्त: सुबह 6:52 बजे से 7:43 बजे तक, दूसरा मुहूर्त: अभिजीत मुहूर्त- दोपहर 12:05 बजे से 12:53 बजे तक।

इस बार डोली में सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

माता दुर्गा सिंह यानि शेर की सवारी करती हैं, लेकिन नवरात्रि के पवित्र दिनों में धरती पर आते समय उनकी सवारी बदल जाती है। माता दुर्गा की सवारी नवरात्रि के शुरू होने वाले दिन पर निर्भर करती है। नवरात्रि जिस दिन से शुरू होते हैं, उस दिन के आधार पर उनकी सवारी तय होती है। वहीं, चैत्र नवरात्री इस साल 19 मार्च 2026 से लेकर 26 मार्च 2026 तक रहने वाली है। इस बार नवरात्रि में देवी मां अपने प्रिय भक्तों के यहां डोली में सवार होकर आएंगी और नवरात्रि की समाप्ति पर गज हाथी पर सवार होकर देवलोक को वापस लौट जाएंगी। क्योंकि गुरुवार से नवरात्रि शुरू होती है तो माता का आगमन डोली पर होता है। मां दुर्गा का डोली पर आगमन को मृत्यु और गंभीर अनिष्ट से जोड़कर देखा जा रहा है।

घट स्थापना की सामग्री

जौ बोने के लिए मिट्टी का पात्र जौ बोने के लिए शुद्ध साफ की हुई मिट्टी जिसमे कंकर आदि ना हो, पात्र में बोने के लिए जौ (गेहूं भी ले सकते है), घटस्थापना के लिए मिट्टी का कलश या फिर तांबे का कलश भी लें सकते है। कलश में भरने के लिए शुद्ध जल, गंगाजल, रोली, मौली, पूजा में काम आने वाली साबुत सुपारी, कलश में रखने के लिए सिक्का (किसी भी प्रकार का कुछ लोग चांदी या सोने का सिक्का भी रखते है), आम के पत्ते, कलश ढ़कने के लिए ढक्कन (मिट्टी का या तांबे का), ढक्कन में रखने के लिए साबुत चावल, नारियल, लाल कपड़ा, फूल माला,फल तथा मिठाई, दीपक, धूप, अगरबत्ती ले लें।

घट स्थापना की विधि

सबसे पहले जौ बोने के लिए एक ऐसा पात्र लें जिसमे कलश रखने के बाद भी आस पास जगह रहे. यह पात्र मिट्टी की थाली जैसा कुछ हो तो श्रेष्ठ होता है। इस पात्र में जौ उगाने के लिए मिट्टी की एक परत बिछा दें। मिट्टी शुद्ध होनी चाहिए। पात्र के बीच में कलश रखने की जगह छोड़कर बीज डाल दें। फिर एक परत मिटटी की बिछा दें। एक बार फिर जौ डालें। फिर से मिट्टी की परत बिछाएं। अब इस पर जल का छिड़काव करें। कलश तैयार करें। कलश पर स्वस्तिक बनायें। कलश के गले में मौली बांधें। अब कलश को थोड़े गंगा जल और शुद्ध जल से पूरा भर दें। कलश में साबुत सुपारी, फूल डालें। कलश में सिक्का डालें। अब कलश में पत्ते डालें। कुछ पत्ते थोड़े बाहर दिखाई दें इस प्रकार लगाएं। चारों तरफ पत्ते लगाकर ढ़क्कन लगा दें। इस ढ़क्कन में अक्षत यानि साबुत चावल भर दें नारियल तैयार करें। नारियल को लाल कपड़े में लपेट कर मौली बांध दें। इस नारियल को कलश पर रखें। नारियल का मुंह आपकी तरफ होना चाहिए। यदि नारियल का मुंह ऊपर की तरफ हो तो उसे रोग बढ़ाने वाला माना जाता है। नीचे की तरफ हो तो शत्रु बढ़ाने वाला मानते है, पूर्व की और हो तो धन को नष्ट करने वाला मानते है। नारियल का मुंह वह होता है जहां से वह पेड़ से जुड़ा होता है। अब यह कलश जौ उगाने के लिए तैयार किये गये पात्र के बीच में रख दें।

अष्टमी-नवमी पर करें कन्या पूजन

देवी पुराण के अनुसार, अष्टमी या नवमी वाले दिन कन्या पूजन करने से देवी मां बेहद प्रसन्न होती है। नवरात्रि के व्रत और पूजा बिना कन्या पूजन किए सफल नहीं मानी जाती है। कहा जाता है कि चैत्र और शारदीय नवरात्रि की अष्टमी या नवमी तिथि पर 9 कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। इसे कंजक पूजन के नाम से भी जानते हैं। मान्यता ये भी है कि कंजक पूजन नहीं करने से नवरात्रि में किए गए व्रत का फल भी अधूरा ही मिलता है। बता दें कि कुछ लोग अष्टमी और नवमी वाले दिन कन्या पूजन करते हैं। इस लेख के जरिए हम आपको बताएंगे कि कन्या पूजन करने का मुहूर्त कब है और इसकी सही विधि क्या है। बता दें कि देवी पुराण के अनुसार, अष्टमी या नवमी वाले दिन कन्या पूजन करने से देवी मां बेहद प्रसन्न होती है। इस दिन कन्या और बटुक की पूजा की जाती है. शास्त्रों के अनुसार आयु के अनुसार कन्या पूजन किया जाए तो इससे आपको मनोवांछित फल की प्राप्ति होती हैं। बता दें कि कन्याओं की संख्या विषम यानी 1,5, 7 और 9 होनी चाहिए।

हंसना मना है

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

पति बाल कटवाकर घर आया। पति- देखो, मैं तुमसे दस साल छोटा लगता हूं कि नहीं? पत्नी: मुंडन करवा लेते तो लगता जैसे अभी पैदा हुए हो।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा- मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिये! पति- ये लो चॉकलेट

पप्पू- पापा बुलेट दिला दो, बाप- पड़ोसन की लड़की को देख बस से जाती है..पप्पू- यही तो देखा नहीं जाता!

कहानी — डर का सामना

एक दिन की बात है स्वामी विवेकानंद मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रसाद लेकर बाहर निकले। कुछ देर आगे चलने के बाद स्वामी के घर के रास्ते में उन्हें कुछ बंदरों ने घेर लिया। स्वामी थोड़ा आगे बढ़ते और वो बंदर उन्हें काटने को आते। काफी देर तक स्वामी विवेकानंद ने आगे जाने की कोशिश की, लेकिन वो ऐसा कर न पाए। आखिर में स्वामी विवेकानंद वहां से वापस मंदिर की ओर लौटने लगे। उनके हाथ से प्रसाद की थैली को छीनने के लिए बंदरों की टोली भी उनके पीछे भागने लगी। स्वामी डर गए और वो भी डर के मारे दौड़ने लगे। दूर से मंदिर के पास बैठा एक बूढ़ा सन्यासी सब कुछ देख रहा था। उसने स्वामी को भागने से रोका और कहा, बंदरों से डरने की जरूरत नहीं है। तुम इस डर का सामना करो और फिर देखो क्या होता है। स्वामी विवेकानंद संन्यासी की बात सुनकर वहां ठहरे और बंदरों की तरफ मुड़ गए। अपनी तरफ तेजी से बंदरों का आता देखकर स्वामी भी उनकी तरफ उतनी ही तेजी से बढ़ने लगे। बंदरों ने जैसे ही स्वामी विवेकानंद को अपनी तरफ आता देखा, तो वो डरकर भागने लग गए। अब बंदर आगे-आगे भाग रहे थे और स्वामी जी बंदरों के पीछे-पीछे। कुछ ही देर में सभी बंदर उनके रास्ते से हट गए। इस तरह स्वामी विवेकानंद ने अपने डर पर जीत हासिल की। फिर वो लौटकर उसी संन्यासी के पास गए और उनको इतनी बड़ी बात सिखाने के लिए धन्यवाद कहा।

कहानी से सीख- कोई भी चीज डर का कारण तब तक बनी रहती है, जब तक हम उससे डरते हैं। इसी वजह से डर से डरने की जगह उसका सामना करना चाहिए। ऐसा करने से डर भाग जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

वृषभ — दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन — प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे।

सिंह — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा।

कन्या — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रमाद न करें।

मकर — यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुम्भ — धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मीन — स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

न्यू कमर्स बॉलीवुड के अजनबियों से बचकर रहें : तनुश्री दत्ता

तनुश्री दत्ता बीते कुछ साल से अपने खुलासों और आरोपों की वजह से लाइमलाइट में है। इन्होंने मीटू के दौरान नाना पाटेकर और गणेश आचार्य पर एलीगेशन लगाए। वहीं, अब एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बड़े खुलासे किए हैं। इसके साथ ही नए कलाकारों को सलाह दी है। मेरी सहेली पॉडकास्ट को दिए इंटरव्यू में तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड के अंदर के काले राज बताए। एक्ट्रेस ने कहा कि पहले नए एक्टर्स की तारीफ की जाती है और उन्हें वादों का लालच दिया जाता है। इसके बाद उन्हें मुश्किल परिस्थितियों में फंसा लिया जाता है। हैंडसम है ब्यूटी है। कोई उन्हें ये कहकर चढ़ा देता है। टैलेंट है या नहीं, ये नहीं जानते। सबको कोई ना कोई तारीफ देने वाला मिल ही जाता है। आप तो हीरोइन बनोगे आप तो ये बनोगे। चार लोग आकर आपकी तारीफ करेंगे और चार लोग बहकाने आ जाएंगे। पहले चढ़ाते हैं फिर बोलते हैं इनसे मिल लो वहां मिल लो। तनुश्री ने न्यू कमर्स को अजनबियों से बचकर रहने की सलाह दी है। एक्ट्रेस ने कहा कि माता पिता ने बचपन में क्या सिखाया? अजनबियों के साथ नहीं जाना, अगर कोई चॉकलेट दिखाए तो आप क्या उसके साथ चले जाओगे? यहां चॉकलेट चॉकलेट नहीं होती है। यहां पर एक अलग तरह का चॉकलेट दिया जाता है। लोग आपकी महत्वाकांक्षा, आशाओं और इच्छाओं को इस्तेमाल करते हैं। इन्होंने आगे कहा- मैं आज ये सब बोल रही हूं क्योंकि मुझे प्लेटफॉर्म मिला है। अगर मैं चार जिंदगी बचा लूं तो मेरे लिए बहुत है। बहुत सारे लड़के और लड़कियां यहां आते हैं। उन्हें इस्तेमाल किया जाता है। दुर्व्यवहार होता है और फिर सचमुच उन्हें फेंक दिया जाता है। कुछ लोग तो वेश्यावृत्ति में चले जाते हैं। ऐसा इसलिए। क्योंकि उनके साथ बहुत बुरा हो चुका होता है। कुछ लोग इतने डैमेज हो जाते हैं कि अपने शहर वापस चले जाते हैं।

'रामायण' में हुई फैसल मलिक की इंट्री, निभाएंगे कुम्भकर्ण का किरदार

फिल्म रामायण सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित हैं। खबर है कि इस फिल्म से पंचायत फेम फैसल मलिक भी जुड़ रहे हैं। वह इसमें अहम किरदार निभाएंगे।

एचटी के मुताबिक 'रामायण' में कुंभकर्ण की भूमिका के लिए फैसल मलिक को चुना गया है। इससे पहले, इस भूमिका के लिए बॉबी देओल का नाम सामने आया था। फैसल मलिक को सीरीज पंचायत में प्रह्लादचा का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें अनिल कपूर की फिल्म सूबेदार में भी देखा गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि वह मुंबई के प्राइम फोकस स्टूडियो में कुंभकर्ण के शुरुआती सीन के लिए यश के साथ शामिल हुए। सूत्र ने पोर्टल को बताया कि फैसल मलिक की लंबाई और उनकी अच्छी-खासी कद-काठी उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाती है। अब तक, फैसल मलिक को कास्ट किए जाने की कोई भी आधिकारिक पुष्टि न तो फिल्म बनाने वालों की तरफ से हुई है और न ही एक्टर की तरफ से।

वैरायटी इंडिया ने हाल ही में जानकारी दी थी कि राघव जुयाल को रामायण में मेघनाद (जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है) का रोल निभाने के लिए चुना गया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी देवी सीता के रूप में नजर आएंगी। यश इस फिल्म में रावण के रूप में दिखाई देंगे। सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का रोल निभाएंगे। काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा के रूप में नजर आएंगी।

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि इसका दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

फिल्म केडी का पहला गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' हुआ रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी अपकमिंग फिल्म केडी: द डेविल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का पहला गाना सरके चुनर तेरी सरके रिलीज हो गया है। इसमें संजय दत्त और नोरा फतेही नजर आए हैं।

केवीएन प्रोडक्शन के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुए इस गाने में संजय दत्त अलग अंदाज में डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। नोरा फतेही भी अपने चिर परिचित अंदाज में डांस कर रही हैं। गाने में विजुअल कम दिखाए गए हैं। पूरे गाने में कहीं-कहीं विजुअल्स हैं तो कहीं-कहीं फोटोज हैं। गाना बेंगलुरु में मौजूद एएमबी सिनेमाघर में हुए एक इवेंट में लॉन्च किया गया। गाने का म्यूजिक अर्जुन जन्या ने कंपोज किया है। फिल्म केडी 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी के अलावा रीशमा नानाइया, वी रविचंद्रन, रमेश अरविंद और नोरा फतेही जैसे कलाकार होंगे।

फिल्म का निर्देशन प्रेम एस ने किया है। इसका निर्माण वेंकट के नारायण ने केवीएन प्रोडक्शन के तहत किया है। यह फिल्म हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

अजब-गजब | यहां निभाई जाती है अनोखी परंपरा

इस देश में लोग करते हैं अपराधियों की पूजा मन्नत पूरी होने पर मूर्ति पर चढ़ाते हैं शराब

दुनिया में शायद ही कोई इंसान हो जो अपराधियों को पसंद करता हो। समाज में इस तरह के लोगों से कोई रिश्ता नहीं रखना चाहता है, लेकिन दुनिया में एक ऐसा देश हैं, जहां पर अपराधियों की पूजा की जाती है। यहां पर लोग अपराधियों की भगवान की तरह पूजा करते हैं। आपको यह सब जानकर थोड़ा अजीबोगरीब लग रहा होगा, लेकिन यही सच्चाई है।

दरअसल, लैटिन अमेरिका के वेनेजुएला में लोग अपराधियों की पूजा करते हैं। इस देश में मर चुके अपराधियों की मूर्ति बनाकर उनकी पूजा करते हैं। स्पेनिश भाषा में इन अपराधी देवताओं को सैंटोस मैलेंड्रोस कहा जाता है। प्राचीन समय के सभी बदनाम अपराधियों की छोटी-छोटी मूर्तियों को एक स्थान पर रखा गया है जिसके दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। आइए जानते हैं कि आखिर क्यों इन अपराधियों की पूजा की जाती है।

वेनेजुएला में जनता के बीच इन अपराधियों की छवि रॉबिनहुड वाली रही है। यह सभी अपराधी अमीर लोगों की दौलत लूटकर गरीबों के बीच बांट देते थे। यहां पर लोग इन अपराधियों की पूजा इसलिए करते हैं, क्योंकि

इन्होंने किसी की हत्या नहीं की। सिर्फ अमीरों को लूटा और गरीबों पर लुटाया।

स्थानीय लोग मानते हैं कि मैलेंड्रो ने अच्छा काम किया है जिसके लिए इन्हें कुछ इनाम दिया जाना चाहिए। अगर इनकी पूजा-अर्चना नहीं की जाएगी तो यह हमसे नाराज हो जाएंगे। जिस तरह से हमारे भारत में किसी मन्नत के पूरा होने पर चढ़ावा चढ़ाया जाता है ठीक उसी तरह वेनेजुएला के सैंटोस मैलेंड्रोज को भी चढ़ावा चढ़ाया जाता है। अगर वेनेजुएला में कोई इंसान किसी बात से परेशान है, तो वो मैलेंड्रो से मन्नत मांगता है। काम हो जाने के बाद इन सैंटोस मैलेंड्रो को चढ़ावा में शराब चढ़ाया जाता है। लोगों की मान्यता है कि ये खुश होकर उन्हें वरदान देते हैं और उनका काम बन जाता है।

यहां पर लोग इस बात की सलाह देते हैं कि इन अपराधियों को चढ़ावे में ज्यादा शराब नहीं दी जानी चाहिए। वरना, ये काम छोड़कर जश्न मनाने में मशगूल हो जाएंगे। बेहतर होगा कि इन्हें चखने भर के लिए बीयर दी जाए, ताकि लोगों का काम भी बन सके।

भारत के इस गांव को कहा जाता है बाउंसर विलेज, हर घर में है एक लड़का है पहलवान

आज के समय में आपने बड़े-बड़े होटल और रेस्त्रां में कई बड़े बॉडी बिल्डर्स या फिर बाउंसर्स देखे होंगे। यही नहीं, बॉलीवुड हो या कोई राजनीति क्षेत्र की कोई बड़ी शख्सियत हो। हर कोई अपने साथ बॉडी गार्ड्स तो रखता ही है। काले कपड़े और काले चश्मे में जब यह लोग आसपास से गुजरते हैं तो राह चलते हर किसी की नजर इन पर ही टिक जाती है, लेकिन क्या आपको पता है कि भारत में एक ऐसा भी गांव है, जहां हर एक घर में एक बाउंसर या बॉडी बिल्डर जरूर होता है। तो आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं, उस गांव के बारे में जिसे बाउंसर की फैक्ट्री कहा जाता है। आइए जानते हैं। बता दें कि भारत की राजधानी दिल्ली के दक्षिणी छोर पर बसा असोला-फतेहपुर बेरी नामक गांव आज एक अलग ही पहचान बना चुका है। इसे देशभर में लोग बाउंसर फैक्ट्री के नाम से जानते हैं। इसकी वजह है कि यहां के युवाओं की बड़ी संख्या जो सुरक्षा से जुड़े कामों में जुटे हुए हैं। असोला-फतेहपुर बेरी के लगभग हर घर से एक या एक से अधिक युवक दिल्ली और आसपास के इलाकों में बाउंसर के तौर पर काम करता है। चाहे वो किसी नाइट क्लब की सुरक्षा हो या बड़े इवेंट्स, होटल्स या बार, यहां के युवक हर जगह तैनात मिलते हैं। यह गांव आज भी अपनी अखाड़ा संस्कृति से जुड़ा हुआ है। सुबह-सुबह मिट्टी के अखाड़ों में युवक कुश्ती करते हैं, भारी वजन उठाते हैं और कठोर शारीरिक अभ्यास करते हैं। इस परंपरा ने गांव के युवाओं को मजबूत, अनुशासित और फिट बनाया है। यहां के लड़कों की जीवनशैली बेहद संयमित है। वे नशे से दूर रहते हैं और दूध, दही, फल, सूखे मेवे और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करते हैं। यही डाइट उन्हें शक्ति और ऊर्जा देती है। गांव में बाउंसर बनना एक सम्मानजनक काम माना जाता है, खासकर गुर्जर समुदाय के बीच। यहां ये पेशा केवल नौकरी नहीं, बल्कि पहचान और गौरव का प्रतीक बन चुका है। पीढ़ी दर पीढ़ी यह परंपरा आगे बढ़ रही है। बाउंसर की नौकरी यहां के युवाओं को अच्छी आय देने के साथ-साथ नई संभावनाओं के द्वार भी खोलती है। कई युवाओं ने अपने दम पर जिम, फिटनेस ट्रेनिंग सेंटर और सिक्योरिटी एजेंसियां शुरू कर ली हैं, जिससे गांव की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

राज्यों में चुनाव की घोषणा के बाद बढ़ी सियासी सरगर्मी

केरल के रण में उतरी राजद असम में ताल ठोकेगी आप

» तेजस्वी यादव ने किया एलडीएफ के साथ गठबंधन का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चुनावों की तारीख घोषित कर दी गई है। इसी के साथ चुनावी सरगर्मी भी तेज हो गई है। के रल व असम में क्रमश: राजद व आप ने भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि पार्टी आगामी केरल विधानसभा चुनाव सत्ताधारी लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट के साथ मिलकर लड़ेगी। राज्य में एलडीएफ का मुकाबला कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट से है।

यादव ने कहा कि राजद का मकसद एलडीएफ को सत्ता में बने रहने में मदद करना है। यादव ने बिहार में आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विधायकों से मुलाक़ात के बाद यह बयान दिया। यह मुलाक़ात राज्य में राज्यसभा की पाँच सीटों के लिए होने वाली वोटिंग से कुछ घंटे पहले हुई। इन पांच सीटों में से एक पर राजद चुनाव लड़ रही है।

एलडीएफ के हिस्से के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ेगी राजद

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की। गौरतलब है कि 16 मार्च, सोमवार को बिहार में राज्यसभा की पांच सीट के लिए मतदान होना है। यादव ने कहा, केरल में हमारी पार्टी एलडीएफ के हिस्से के रूप में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हमारी पार्टी पहले भी केरल विधानसभा में मौजूद रही है। हमें उम्मीद है कि हम एलडीएफ की राज्य में सत्ता बरकरार रखने में मदद करेंगे।" कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) केरल में प्रतिद्वंद्वी हैं लेकिन बिहार में महागठबंधन के हिस्से के रूप में सहयोगी हैं।

आप ने की असम में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा

असम विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 14 नामों का ऐलान किया है, जिनमें राज्य उपाध्यक्ष अनुरुपा डेकाराजा का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि इस पहली लिस्ट के सभी उम्मीदवार ब्रह्मपुत्र घाटी के इलाकों से तालूक रखते हैं। आम आदमी पार्टी के राज्य प्रभारी राजेश शर्मा द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार, अनुरुपा डेकाराजा गुवाहाटी सेंट्रल सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं, रेणुका तिमुंगपी को बोकाजान से उम्मीदवार बनाया गया है। अन्य प्रमुख नामों में अच्युत दास (नाओबोइचा), तपन गोगोई (शिवसागर), जाहिदुल इस्लाम खान (चेंगा), पल्लव सैकिया (टीटाबोर) और जिब्रा आमीर हुसैन (पूर्वी गोलपारा) शामिल हैं। आप इस बार असम में बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव मैदान में उतर रही है।

असम विस की मौजूदा स्थिति

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है जिसके पास 64 सीटें हैं। भाजपा के सहयोगी दलों, असम गण परिषद (9), यूपीपीएल (7) और बीपीएफ (3) को मिलाकर सत्ता पक्ष काफी मजबूत है। दूसरी ओर, विपक्ष में कांग्रेस के पास 26, एआईयूडीएफ के पास 15 और माकपा का 1 विधायक है। आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बार राज्य में अपना खाता खोलने की है।असम में विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में 9 अप्रैल को संपन्न होंगे। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 20 मई को विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। राज्य के करीब 2.5 करोड़ मतदाता अपनी सरकार चुनेंगे और इस महासंग्राम के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

पूर्ववर्ती सरकारों की शिकायतें और लंबित मुद्दे खत्म किए : मान

» आप सरकार ने अपनी सरकार के बदलाव पर विचार किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मोहाली में उद्यमियों को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पिछली सरकारों को घेरा। मुख्यमंत्री मान ने आप सरकार के बदलाव पर विचार करते हुए कहा कि हमें पूर्ववर्तियों से कर्ज, शिकायतें और लंबित मुद्दे विरासत में मिले थे, लेकिन हमने कमियों को दूर किया और पंजाब को विकास के पथ पर वापस ला खड़ा किया। उन्होंने अतीत की दबावपूर्ण समझौता ज्ञापन प्रथाओं की तुलना वर्तमान विश्वास-आधारित दृष्टिकोण से की, जहां निवेशक स्वेच्छा से सामाजिक-आर्थिक विकास में भागीदार बनते हैं, जिससे दबाव डालने की रणनीति समाप्त होती है और पारदर्शिता, डिजिटलीकरण और निर्णायक शासन को बढ़ावा मिलता है।

औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण सरकारी समर्थन और प्रोत्साहन का आश्वासन दिया। उन्होंने वैश्विक और राष्ट्रीय निवेशकों की शिखर सम्मेलन में मजबूत भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि 30 विचार-विमर्श सत्रों ने आर्थिक गति बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और युवा प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। मान ने निवेश परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखने के लिए छह महीने में समीक्षा की घोषणा की और पंजाब को एक औद्योगिक शक्ति के रूप में बदलने पर जोर दिया। नशीली दवाओं के खतरे से निपटने के लिए युवाओं को रोजगार देने को प्राथमिकता देते हुए, मान ने उद्योगपतियों से पंजाब के व्यापार-अनुकूल वातावरण को राष्ट्रव्यापी स्तर पर बढ़ावा देने का आग्रह किया, और राज्य को फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और अन्य क्षेत्रों में भारत के विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की बात कही। उन्होंने पंजाब को एक वैश्विक औद्योगिक और निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने की कल्पना की, जो इसकी अन्न भंडार की स्थिति, जुझारू भावना और अत्याचार के खिलाफ लड़ने वाले गुरुओं, संतों और शहीदों की समृद्ध विरासत का लाभ उठाएगा।

बडनगर में प्लेटफॉर्म नहीं तो चाय कहां बेची : मणिशंकर अय्यर

» पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पीएम मोदी पर फिर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर निशाना साधा है। जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने राम मंदिर के उद्घाटन और हिंदुत्व के मुद्दे पर तीखी आलोचना की। अय्यर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी शंकराचार्यों को नजरअंदाज करते हुए खुद मंदिर का उद्घाटन किया, जो उनकी नजर में धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है। उनके अनुसार, देश के प्रधानमंत्री का अपना कोई निजी धर्म नहीं होना चाहिए। मुस्लिम समाज और तीन तलाक के मुद्दे पर बोलते हुए अय्यर ने कहा कि बीजेपी इसे लेकर गलत दावे कर रही है।

उन्होंने तर्क दिया कि कुरान के अनुसार चार पत्नियां रखना तभी मुमकिन है जब सबका समान ध्यान रखा जाए, जो कि बहुत कठिन है। उन्होंने एक पुरानी जांच समिति (गोपाल सिंह समिति) का हवाला देते हुए दावा किया कि हिंदुओं और सिखों में दो पत्नियां रखने का चलन मुसलमानों से ज्यादा पाया गया था। अय्यर ने सवाल उठाया कि तीन तलाक रोककर मुस्लिम महिलाओं को आजाद करने का दावा करना कैसा हिंदुत्व है। अय्यर ने लव जिहादशब्द पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि प्यार में जिहाद या बदला नहीं हो सकता और यह शब्द सिर्फ बीजेपी के लोगों की देन है। इसके अलावा, उन्होंने पीएम मोदी द्वारा उन पर किए गए पुराने हमलों का भी जवाब दिया। अय्यर ने सफाई दी कि उन्होंने प्रधानमंत्री को नीच नहीं बल्कि नीच किस्म का आदमी कहा था और उनके शब्दों को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने पीएम मोदी के ऐतिहासिक ज्ञान पर भी सवाल उठाए और कहा कि जिन्हें नालंदा और तक्षशिला की सही जानकारी नहीं, वे नेहरू की जगह कैसे ले सकते हैं।

जागरूकता रैली से बढ़ेगी नगर निगम की आय

» गृहकर जमा करने के लिए जोनल अधिकारी ने निकाली रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम की आय बढ़ाने और नागरिकों को गृहकर जमा करने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को जोन-3 में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में बाइक और वाहनों की रैली निकालकर विभिन्न वार्डों में लोगों से समय पर गृहकर जमा करने की अपील की गई। रैली अलीगंज, महाकवि जयशंकर प्रसाद, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, लाला लाजपत राय, महानगर, विवेकानन्दपुरी तथा डालीगंज-निराला नगर वार्डों से होकर गुजरी। इस दौरान नगर निगम की टीमों ने नागरिकों को गृहकर जमा करने के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए समय सीमा के भीतर कर जमा करने के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों ने बताया कि गृहकर जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम के कार्यालय अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे, जहां लोग अपना गृहकर जमा कर सकते हैं। साथ ही जीआईएस सर्वे के अंतर्गत भवन स्वामियों द्वारा दर्ज कराई गई आपत्तियों का भी निस्तारण किया जाएगा। रैली में जोनल अधिकारी मनोज यादव के साथ राजस्व निरीक्षक अमित शंकर, राहुल यादव, वीरेन्द्र कुमार, विशाल श्रीवास्तव, उदय त्रिपाठी, मोहज्जिब और शिब्ते रजा सहित नगर निगम की टीमें शामिल रहीं। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की लखनऊ स्वच्छता अभियान टीम भी 6 वाहनों, 296 कर्मचारियों और 19 बाइकों के साथ अभियान में सहभागी बनी। नगर निगम अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे समय रहते अपना गृहकर जमा कर नगर के विकास में सहयोग करें।

गिल को 'पॉली उमरीगर क्रिकेटर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड

» बिन्नी, द्रविड़ और मिताली को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने नई दिल्ली में आयोजित नमन अवॉर्ड्स 2026 समारोह में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और दिग्गजों को सम्मानित किया। शुभमन गिल को बीसीसीआई के प्रतिष्ठित 'पॉली उमरीगर क्रिकेटर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से नवाजा गया। वहीं महिलाओं में स्मृति मंधाना को उनके करियर में पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला। गिल ने यह पुरस्कार दूसरी बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्हें 2023 में भी इस सम्मान से नवाजा गया था।

दूसरी बार यह अवॉर्ड जीतने के साथ ही गिल ने सचिन तेंदुलकर और रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर ली है, जिन्होंने भी यह पुरस्कार दो-दो बार जीता है। यह सम्मान विराट कोहली को पांच बार मिल चुका हैं, जबकि बुमराह तीन बार यह अवॉर्ड जीत चुके हैं। नमन अवॉर्ड्स 2026 समारोह में बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को कर्नल सी.के. नायुडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। महिलाओं में यह सम्मान मिताली राज को दिया गया। बिन्नी बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं, जबकि द्रविड़ के कोचिंग कार्यकाल में भारत ने 2024 टी20 विश्वकप का खिताब जीता था। मिताली को भारतीय महिला क्रिकेट में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया। अपनी कप्तानी में अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले मुंबई के आयुष म्हात्रे को घरेलू सीमित ओवर टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुना गया।

मंधाना बनीं महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर

विश्वकप विजेता टीमों का भी किया गया सम्मान

नमन अवॉर्ड्स समारोह के दौरान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन सभी पांच भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने हाल के वर्षों में आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की हैं। इनमें पुरुष टी20 विश्व कप विजेता टीम, महिला विश्व कप 2025 की विजेता टीम, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 विजेता टीम, अंडर-19 विश्व कप 2026 विजेता टीम और महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप 2025 विजेता भारतीय टीम शामिल हैं।

बहुजन राजनीति के नायक कांशीराम को मिले भारत रत्न : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना यह पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने कांशीराम जी को सामाजिक न्याय का महान योद्धा और करोड़ों लोगों को हक और आत्मसम्मान की राह दिखाने वाला मार्गदर्शक बताया।

राहुल गांधी ने यह पत्र कांशीराम जी की जयंती के मौके पर लिखा है। उन्होंने कहा कि आज जब पूरा देश उनके योगदान और विरासत को याद कर रहा है, तो उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजना एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गांधी ने पत्र में उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस अनुरोध पर विचार करेंगे, क्योंकि यह मांग समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सालों से की जा रही है।

अपने पत्र में राहुल गांधी ने कांशीराम जी के कार्यों की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा कि कांशीराम जी ने हाशिए पर पड़े समुदायों को एकजुट कर भारतीय राजनीति का स्वरूप ही बदल दिया। उन्होंने गरीबों और पिछड़ों के मन में यह विश्वास जगाया कि उनका वोट और उनकी आवाज देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उनके प्रयासों की वजह से ही समाज के उन वर्गों के लोग राजनीति में आए, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में सोचा भी नहीं था।

दिवंगत बसपा नेता ने हमेशा संवैधानिक आदर्शों का सम्मान किया

कांग्रेस नेता ने इस बात पर भी जोर दिया कि कांशीराम जी ने हमेशा संवैधानिक मूल्यों और समानता के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि उन्हें भारत रत्न देना उस पूरे आंदोलन का सम्मान होगा, जिसने बहुजन समाज को अपनी ताकत और अधिकारों का अहसास कराया। राहुल गांधी के अनुसार, कांशीराम जी ने राजनीति को न्याय हासिल करने का एक सशक्त माध्यम बनाया।

राज्यसभा में हंगामा, एलपीजी को लेकर कांग्रेस व बीजेपी में रार

खरगे ने उठाया सवाल तो किरेन रिजिजू ने टोका, जेपी नड्डा भी भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से देश पर एलपीजी गैस की किल्लत का खतरा मंडरा रहा है। राज्य सभा में इसी को लेकर भाजपा व कांग्रेस में ठन गई। हालांकि केंद्र सरकार ने दावा किया है कि देश में किसी तरह की कमी नहीं है। इस बीच संसद में एलपीजी गैस के मुद्दे पर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया. विपक्ष ने सोमवार (16 मार्च) को केंद्र सरकार से इसको लेकर जवाब भी मांगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संसद में इस मसले पर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन तभी केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें टोक दिया। इस बीच जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर हमला बोल दिया। राज्यसभा में खरगे ने गैस की दिक्कत पर सवाल उठाया। इसके जवाब में नड्डा ने कहा, कांग्रेस विपत्तिकाल में भी राजनीति करने से पीछे नहीं हट रही है. यह विपत्ति भारत के कारण नहीं आई है, जो अंतरराष्ट्रीय स्थिति हुई है, इसकी वजह से यह क्राइसिस आई है, इसके बारे में हरदीप पुरी ने हाउस में पूरी बात कही है।

कांग्रेस जनता को उकसा रहीं : नड्डा

नड्डा ने कांग्रेस पर लोगों को उकसाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, कांग्रेस का नेता सिलेंडर की होर्डिंग में पकड़ा गया है. इन्होंने होर्डिंग की है, ये जनता को उकसाने का काम कर रहे हैं. ये ऐसी परिस्थिति में राजनीति से बाज नहीं आते हैं।

पीएम के दौरे के बाद ही चुनाव आयोग ने क्यों किया तारीखों का ऐलान : भगत

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने सोमवार को भारतीय चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं की घोषणा के ठीक अगले दिन ही चुनाव कार्यक्र म घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग बेहद पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हैं और ठीक अगले दिन राज्य चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी जाती है; यह सरासर धांधली है। उन्होंने केंद्र सरकार पर सुनियोजित तरीके से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव की बात करती है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनावों में चारों राज्यों के लिए मतदान की तारीखें और परिणाम घोषित होने का दिन एक दूसरे से बहुत दूर रखा गया है।

मिडिल ईस्ट में तनाव और बढ़ा, मिसाइल हमले तेज

दुबई में ईरान के ड्रोन अटैक के बाद अबू धाबी में गिरी मिसाइल, एक नागरिक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। लड़ाई और घातक हो गई है। ईरान इजरायल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले के साथ-साथ खाड़ी देशों पर भी मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहा है। मिडिल ईस्ट में चल रहे अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध का आज 17वां दिन है. ईरान ने इजरायल पर हमले और तेज कर दिए हैं यहां तक कि ईरान ने पहली बार सेज्जिल बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है।

सोमवार तड़के ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई एयरपोर्ट के पास ड्रोन से अटैक किया, वहीं अब अबू धाबी में मिसाइल गिरने से एक व्यक्ति की मौत की खबर सामने आई है। मिडिल ईस्ट जंग का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। ईरान ने नई मिसाइलें दागीं हैं, इजरायली हमलों में 2,000 से ज्यादा मौतें हुईं हैं और भारत में गैस-पेट्रोल की किल्लत होने लगी है। दुबई के बाद अबू धाबी के अल बह्वाह इलाके में एक नागरिक वाहन पर मिसाइल गिरी। इस घटना में एक फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गई।अबू धाबी के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा, अल बह्वाह क्षेत्र में एक नागरिक वाहन पर मिसाइल गिरने की घटना में एक फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गई है। जनता को सलाह दी जाती है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें और अफवाहें या अपुष्ट जानकारी फैलाने से बचें।

दुबई में ड्रोन हमले के बाद उड़ानें प्रभावित

ईरान ने सोमवार सुबह दुबई एयरपोर्ट के पास अटैक किया। इस हमले के बाद एयूल टैंक में आग लग गई। सुरक्षा के मद्देनजर दुबई एयरपोर्ट ने उड़ानों को निलंबित कर दिया। दुबई एयरपोर्ट पर उड़ान प्रभावित होने के कारण कोच्चि से दुबई जा रही फ्लाइट वापस आ गई।

इजरायल ने अराक शहर के घनी आबादी पर बरसाए बम

ईरान के मध्य प्रांत मार्कजी में स्थित अराक शहर के घनी आबादी वाले नारेंजिस्तान रिहायशी कॉम्प्लेक्स पर अमेरिका-इजरायल की संयुक्त फोर्सेस ने मिसाइल अटैक किया। यह इलाका बहुत घना बसा हुआ है, जहां हजारों लोग रहते हैं. हमले से कॉम्प्लेक्स में भारी तबाही हुई। कई इमारतें ढह गईं, आग लग गई और मलबे में लोग फंसे हुए हैं। ईरानी मीडिया और स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला हाजीबाद इंडस्ट्रियल जोन के पास हुआ, जो अराक में है इस जोन में कई डिफेंस और इंडस्ट्रियल साइट्स हैं, लेकिन हमला रिहायशी इलाके पर हुआ, जिससे नागरिकों को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान का कहना है कि यह सिविलियन टारगेट था और कई परिवार प्रभावित हुए हैं.मौतों और घायलों की संख्या अभी कन्फर्म नहीं हुई, लेकिन रेस्क्यू टीमों ने मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया है

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी तेज रफ्तार कार, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर रामपुर की तरफ से आ रही कार ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। उनकी पहचान नैनीताल जिले के निवासी के तौर पर हुई है। सोमवार सुबह मूंढापांडे क्षेत्र के मनकरा मोड़ के पासतेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित कर दिया। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

कटक के मेडिकल कॉलेज में भीषण आग,10 मरीजों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। ओडिशा के प्रतिष्ठित एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में सोमवार तड़के करीब 3:00 बजे भीषण आग लग गई। इस दुखद हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से अधिकांश ट्रॉमा केयर आईसी में भर्ती मरीज थे। बचाव कार्य के दौरान अस्पताल के 11 कर्मचारी भी झुलस गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार तड़के कटक में ओडिशा सरकार द्वारा संचालित एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में भीषण आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मरीजों को सुरक्षित निकालने की कोशिश में अस्पताल के करीब 11 कर्मचारी झुलस गए। खबरों के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 3:00 बजे हुई, जब अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग की पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई।

बताया जा रहा है कि मरने वालों में ज़्यादातर वे मरीज थे जो ट्रॉमा केयर ब्लॉक में भर्ती थे। आग लगते ही, अस्पताल का फायर सेफ्टी सिस्टम एक्टिवेट हो गया और अस्पताल के अग्निशमन विभाग ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। आग पर काबू पाने के लिए घटनास्थल पर तुरंत तीन दमकल गाड़ियां भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के लिए अथक प्रयास किया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसौदिया

दिल्ली हाई कोर्ट के जज को बदलने की मांग हाईकोर्ट में खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के उत्पाद शुल्क नीति मामले की याचिका को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की पीठ से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने से इनकार करने के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

दोनों ने 11 मार्च को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिए गए एक आवेदन के बाद निष्पक्षता को लेकर गंभीर आशंका व्यक्त की, जिसे मुख्य न्यायाधीश ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मामला न्यायालय के कार्यसूची के अनुरूप है और पुनर्नियुक्ति के लिए कोई प्रशासनिक आधार नहीं है। सीबीआई की याचिका, जो 16 मार्च (सोमवार) को न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध है, शराब लाइसेंसधारियों को कथित रूप से तरजीह देने से जुड़े घोटाले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को निचली अदालत द्वारा 27 फरवरी को बरी किए जाने को चुनौती देती है। 2021 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति, जिसे अब रद्द कर दिया गया है, का उद्देश्य राजस्व वृद्धि के लिए शराब की बिक्री का निजीकरण करना था, लेकिन अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और सरकारी खजाने को हुए नुकसान के आरोपों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उपराज्यपाल के आदेश पर सीबीआई और ईडी ने जांच शुरू की। निचली अदालत ने सीबीआई के कुछ निष्कर्षों की आलोचना करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन न्यायमूर्ति शर्मा ने 9 मार्च को सभी 23 प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया, सीबीआई जांचकर्ता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर रोक लगा दी, निचली अदालत की टिप्पणियों में प्रथम दृष्टया त्रुटियों को उजागर किया और संबंधित पीएमएलए कार्यवाही को स्थगित कर दिया - इन कदमों ने आम आदमी पार्टी के पक्षपात के दावों को और बल दिया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा